Page Three Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

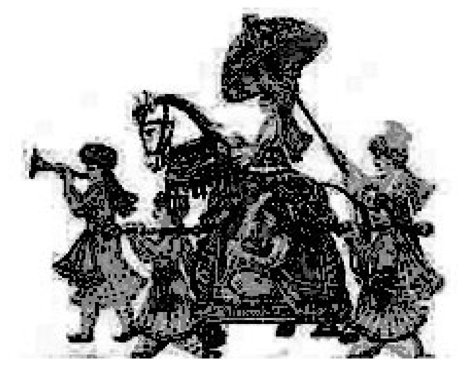

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

नेपाल से देश वापस आये 266 भारतीय

कुछ घंटों के लिए ही खोला गया था पुल

वापसी

■अनुमति के बाद धारचूला के अन्तरराष्ट्रीय पुल को खोला गया

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट

पिथौरागढ। नेपाल प्रशासन ने भारतीय प्रशासन से ग्रामीणों के माइग्रेशन के लिए भारत से सात दिन की अनुमति मांगी थी। वही दोनों देशों के प्रशासनों द्वारा अपने अपने गृह मंत्रालय को इस बारे में अवगत भी कराया गया था। बीते गुरुवार को गृह मंत्रालय की अनुमति के बाद धारचूला के अन्तरराष्ट्रीय पुल को खोला गया।

जानकारी के मुताबिक दोनों ओर सुरक्षा बल पुलिस प्रशासन एवं चिकित्सकों की टीम मौजूद रही। जानकारी के मुताबिक सबसे पहले नेपाल से माइग्रेशन करने वाले छांगरू व टिंकर के ग्रमीण भारत आने लगे। दस बजे तक केवल पचास ही लोग भारत पहुंच पाये। वही अचानक एसएसबी ने पुल बंद कर दिया। जिसके चलते पुल में

लोग फंस गये। वही ऐसे में लोगों में अफरा तफरी का माहौल खड़ा हो गया। जैसे ही इस घटना का धारचूला के विधायक हरीश धामी और उपजिलाधिकारी एके शुक्ला को पता चला तो उन्होने मौके पर इसकी जानकारी जिलाअधिकारी पिथौरागढ को दी। जिलाधिकारी के द्वारा मौके पर एसएसबी के उच्च अधिकारियों से बातचीत कर पुल को खुलवाया। इस पुल को खुलवाने में आधा घंटा लग गया। जैसे ही पुल खुला तो मौके पर नेपाल के छांगरू व टिंकर से 151 और और भारत के 115 कुल 266 लोग अपने जानवरों के साथ भारत लौट आये।

वही नेपाल से सभी के भारत आने के बाद भारत से नेपाली नागरिकों को नेपाल की ओर रवाना किया गया। भारत द्वारा बनाये गये खाधान्न पैकेट नेपाल पुलिस ने इनको नेपाल में ले जाने की अनुमति भी नही दी। वही मौके पर फिर एक बार धारचूला के विधायक को नेपाल प्रशासन के उच्च अधिकारी से फोन पर बात करने को मजबूर होना पड़ा। काफी जद्दोजहद के बाद नेपाल सरकार के एनजीओ द्वारा नेपाल में रहने वाल नागरिकों के लिए खाधान्न साम्रगी पहुचाने में मदद करनी पड़ी। वही जैसे तैसे पुल से आवाजाही कराकर पुल पर फसे खाधान्न साम्रगी को नेपाल सरकार के हवाले किया गया।

बागेश्वर से भी नेपाल क्षेत्र को जाने के लिए आये चालीस नेपाली नाागरिकों को भी मौके पर नेपाल भेज दिया गया। नेपाल से भारत लौटे 266 नागरिकों की थर्मल स्कीनिंग भी की गई। अपने अपने देशों में वापसी करने पर लोगों में खासा उत्साह भी देखने को मिला। लोगों ने अपने बच्चों को साथ लेकर खुशी का इजहार भी किया। इस दौरान पुल के पास तमाम आलाधिकरी के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

वंदना की विदाई तो गहरवाल का हुआ स्वागत

संवाददाता पिथौरागढ। दो रोज पूर्व शासन स्तर से हुए भारी फेरबदल के बाद जिले से सीडीओ के पद से वंदना का रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी के तौर पर रूद्रप्रयाग में नियुक्ति मिली। वही गंगोलीहाट में संयुक्त मजिस्टेट के तौर पर कार्यभार संभाल रहे सौरभ गहरवाल को जिले में मुख्य विकास अधिकारी की जिम्मेदारी मिली है। बता दे कि देर सांय सौरभ गहरवाल ने जिले में कार्यभार संभाल लिया है। वंदना को भी विदाई दी गई। गहरवाल ने कहा कि जिले के हित में वे अपनी कार्यो को सुचारू रूप से जारी रखेगें। इस दौरान जिलाधिकारी डा. वी के जोगदडे भी मौजूद रहे।

बी एस फोनिया बनाये गये गंगोलीहाट के संयुक्त मजिस्टेट

संवाददाता पिथौराढ़। सौरभ गहरवाल के जिला मुख्यालय के सीडीओ पद पर कार्य भार संभालने के बाद अब गंगोलीहाट में मुसयारी के उपजिलाधिकारी रहे बीएस फोनिया को गंगोलीहाट का संयुक्त मजिस्टेट नियुक्त किया गया है। वही जिलाधिकारी पिथौरागढ़ डा वी के जोगदडे ने उनको यहां पर नियुक्त किया है।

अब दोनों तहसीलों की जिम्मेदारियां निभायेगे एके शुक्ला

संवाददाता पिथौरागढ। डी एस फोनिया को गंगोलीहाट का संयुक्त मजिस्टेट नियुक्त करने के बाद जिलाधिकारी डा. वी के जोगदडे ने धारचूला के उपजिलाधिकारी एके शुक्ला को मुंसयारी व धारचूला दोनों तहसीलों की जिम्मेदारी सौपी है। बता दें कि अब उनकी जिम्मेदारी और भी बढ़ गयी है। वही उन्होने कहा कि जिम्मेदारी का पूरा निर्वाहन क्षेत्र के विकास में करेगे।

शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मेंऑनलाइन शिक्षण कार्य गतिमान

डोईवाला। शहीद दुर्गा मल्ल राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोईवाला में लॉकडाउन के पश्चात लगातार ऑनलाइन शिक्षण कार्य गतिमान है। महाविद्यालय में लॉक डाउन से पूर्व में ही विज्ञान संकाय, कला एवं वाणिज्य संकाय की कुछ कक्षाओं में कक्षा ग्रुपस बने हुए थे और इस कारण ऑनलाइन क्लासेज में महाविद्यालय के प्राध्यापकों को ज्यादा दिक्कतें नहीं आई है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर डी सी नैनवाल स्वयं भी छात्र छात्राओं से फीड बैक ले रहे हैं।

क्षेत्र में चरस तस्करी का अभियुक्त चढ़ा एसओजी के हत्थे

संवाददाता पिथौरागढ़। लाकडाउन के दौरान अवैध रूप से चरस की तस्करी करने वालों पर सर्तक दृष्टि रखते हुए एसओजी पिथौरागढ़ व थाना नाचनी के थानाध्यक्ष के द्वारा हुपुली पुल से आगे चमडी रोडपाले के गुप्त सूचना के आधार पर अभियुक्त महेन्द्र सिह धामी पुत्र नेत्र सिह धामी उम्र 41 वर्ष निवासी ग्रम धामी गांव तहसील बंगापानी नाचनी जिला पिथौरागढ के कब्जे से 3 किलो चार सौ ग्रम अवैध चरस के साथ गिरफतार कर थाना नाचनी में एनडीपीएस एक्ट 188 भादावि धारा 51बी आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत अभियोग पंजीकत किया गया। पुलिस अधीक्षक प्रीति प्रियदर्शिनी के आदेशानुसार व क्षेत्राधिकारी पिथौरागढ के निर्देशन पर लाकडाउन के दौरान अवैध रूप से चरस तस्करी के गोरखधंधे में शामिल अभियुक्तों पर पहले से ही सख्त रवैया अपनाया हुआ है। वही देर सांय जिला मुख्यालय पिथौरागढ के नाचनी थाना क्षेत्र में मुखबिर की सूचना पर थानाध्यक्ष नाचनी व एसओजी प्रभारी हेम चन्द्र तिवारी के अगुवाई में चरस तस्कर महेन्द्र सिह धामी को पकड़कर हिरासत में नाचनी थाना क्षेत्र में ले आये। अरोपी को पकड़ने वालों में शामिल टीम में अनिल मर्तोलिया मनमोहन भण्डारी बलवंत वलदिया संदीप चंद अशोक बुड्यिाल मनीष कुमार इसराज अहमद शामिल थे।

भेड़ चराने जंगल गया अधेड़ खाई में गिरा, तलाश जारी

■रूपीन नदी में बहने का अंदेशा
■राजस्व व रेगुलर पुलिस दल तलाश में जुटी

संवाददाता

पुरोला। मोरी सटा गांव के भेड बकरी चरानें जंगल गये एक अधेड व्यक्ति की पैर फिसलने से रूपीन नदी में बह जाने की सूचना है। पिछले 14 घंटे से काफी तलाश करनें के बाद भी अधेड का कोई पता नहीं चला है जबकि परिजनो की सूचना पर शुक्रवार देर सांय ही राजस्व–रेगुलर पुलिस टीम ने मौके पर पंहुच कर रूपीन में तलाशी अभियान शुरू किया किंतु अंधेरा होने तक अधेड का कोई पता नहीं चला।

मोरी प्रखंड के पट्टी फतेह पर्वत के सुदूरवर्ती सटा गांव का चतर सिंह पुत्र ताली सिंह 46वर्ष शुक्रवार को गांव के अन्य लोगों के साथ भेड बकरी चरानें गांव के समीप जंगल में गया था कि भेड बकरी को चट्टान से हांकते समय फिसलने से खाई में लुडक कर रूपीन नदी में बह गया,साथ के गायचरवाहों ने जब चतर सिंह को गिरते देखा तो खाई में देर सांय तक खोजबीन की किंतु कोई पता नहीं चला,बाद में देर सांय को परिजनों ने घटना की सूचना तहसीलदार मोरी व थाना मोरी को दी।

सूचना पर देर सांय को राजस्व व थाना पुलिस की टीम घटनास्थल पर पंहुची व ग्रामीणों के साथ तलाशी अभियान शुरू किया पर शुक्रवार देर साय अंधेरा होने तक चतर सिंह का कोई पता नहीं चला।

शनिवार को सुबह रेस्क्यू टीम ने रूपीन नदी में पूनः खोजबीन शुरू की किंतु दोपहर बाद तक अधेड़ का कोई पता नहीं चला।

तहसीलदार चंदन सिंह राणा ने बताया कि शुक्रवार को सटा निवासी चतर सिंह भेड चराते समय चट्टान से फिसल कर खाई में गिरनें की खबर पर राजस्व पुलिस व रैगुलर पुलिस मौके पर रूपीन नदी में खोजबीन कर रही है किंतु अभी तक भेड पालक का कोई पता नहीं चला है,रेसक्यू दल को चतर सिंह के रूपीन नदी के तेज बहाव में बहनें का अंदेशा है,खोजबीन अभियान जारी है।

जरूरतमंद लोगों को रमनप्रीत कौर ने बांटा राशन

संवाददाता देहरादून। रमन प्रीत कौर, सोशल एक्टिविस्ट, वाईस प्रेजिडेंट ऑफ स्पोर्ट्स प्रमोशन आर्गेनाइजेशन, स्टेट प्रेजिडेंट ऑफ अन्नपूर्णा रोटी बैंक चौरिटेबल ट्रस्ट, वाईस प्रेजिडेंट ऑफ उत्तरांचल पंजाबी महासभा महिला विंग देहरादून और यह 14 साल से समाज के हित में काम कर रही है। लॉकडाउन के चलते हुए जरूरतमंद लोगों को लगातार राशन उपलब्ध कराती आ रही है और इसके साथ ही साथ अनेक उल्लेखनीय कार्य किये गये है। वह गरीब बच्चों के शिक्षा के लिए काम कर रही है इसके साथ ही उनका जन्मदिन भी मानती ताकि उनको कभी किस चीज की कमी न महसूस हो इसके साथ ही स्लम एरिया के बच्चों के बीच कम्पटीशन भी करवाती है जैसे कि ड्राइंग और राइटिंग कम्पटीशन और बच्चे इसे बहुत ही उत्साह पूर्वक करते है।

उन्होंने कहा कि इसके साथ ही यह अन्नपूर्णा रोटी बैंक से अब तक 2000 से अधिक बच्चों को स्टेशनरी दे चुकीं है। अगर बात ओल्ड एज होम की जाए तो यहाँ भी इन्होंने बुजुर्ग को कभी अकेला नहीं छोड़ा उनके साथ सभी त्योहार मानती है ताकि उनको कभी घर की कमी न महसूस हो।